माँ पाटेश्वरी विश्वविद्यालय, बलरामपुर, उत्तर प्रदेश

संस्कृत विभाग पाठ्यक्रम

स्नातक स्तर (NEP-2020)

(पाठ्यक्रम निर्माण के दिशानिर्देशों के अनुरूप)

पाठ्यक्रम निर्माण समिति

BOS संयोजक / BOS सदस्य	पद	विभाग	विश्वविद्यालय / महाविद्यालय
प्रो0 मंशाराम वर्मा (संस्कृत विषय संयोजक)	प्रोफेसर	संस्कृत	श्री लाल बहादुर शास्त्री डिग्री कॉलेज, गोण्डा, उ0प्र0
डॉ0 उदल कुमार (सदस्य)	एसोशिएट प्रोफेसर	संस्कृत	आचार्य नरेन्द्र देव किसान स्नातकोत्तर महाविद्यालय बभनान, गोण्डा, उ0प्र0
डॉ0 अखिलेश्वर प्रसाद शुक्ल (सदस्य)	असिस्टेंट प्रोफेसर	संस्कृत	आचार्य नरेन्द्र देव किसान स्नातकोत्तर महाविद्यालय बभनान, गोण्डा, उ0प्र0
श्रीमती पूजा मिश्रा (सदस्य)	असिस्टेंट प्रोफेसर	संस्कृत	महारानी लाल कुँवरि स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बलरामपुर, उ0प्र0
श्रीमती ज्योति त्रिपाठी (सदस्य)	असिस्टेंट प्रोफेसर	संस्कृत	महिला महाविद्यालय, बहराइच, उ0प्र0
प्रो0 आशा गुप्ता (सदस्य)	प्रोफेसर	संस्कृत	रणवीर रणञ्जय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, अमेठी, उ0प्र0
डॉ0 देवेन्द्र पाल (सदस्य)	असिस्टेंट प्रोफेसर	संस्कृत	दीन दयाल उपाध्याय विश्वविद्यालय, गोरखपुर, उ0प्र0
प्रो0 अभिषेक दत्त त्रिपाठी (सदस्य)	प्रोफेसर	संस्कृत	कामता प्रसाद सुन्दरलाल साकेत स्नातकोत्तर महाविद्यालय, अयोध्या, उ0प्र0

नई शिक्षा नीति– 2020 (NEP 2020)

पाठ्यक्रम का प्रारूप

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप एवं उच्च शिक्षा विभाग के आदेशों से आच्छादित विश्वविद्यालय परिसर एवं सम्बद्ध महाविद्यालयों के लिए स्नातक संस्कृत पाठ्यक्रम के सेमेस्टर वार प्रश्न पत्र।

वर्ष	कोर्स कोड	कोर्स का शीर्षक	क्रेडिट
प्रथम वर्ष		**सेमेस्टर– I**	
	A020101T	गद्य एवं पद्य	06
		सेमेस्टर– II	
	A020202T	संस्कृत व्याकरण–I	06
द्वितीय वर्ष		**सेमेस्टर– III**	
	A020301T	वेद एवं उपनिषद्	06
		सेमेस्टर–IV	
	A020402T	संस्कृत व्याकरण–II	06
तृतीय वर्ष		**सेमेस्टर–V**	
	A020501T	काव्य एवं काव्यशास्त्र	05
	A020502T	भारतीय एवं दर्शन	05
	A020503R	Research Project/ Dissertation/ Internship-Field work survey	03
		सेमेस्टर– VI	
	A020601T	नाटक अलंकार छन्द	05
	A020602T	आधुनिक संस्कृत साहित्य	05
	A020603R	Research Project/ Dissertation/ Internship-Field work survey	03

नोट : स्नातक प्रथम एवं तृतीय सेमेस्टर मेजर एवं माइनर का पाठ्यक्रम समान है।

मानद / सम्मानित / विशिष्टता / शोध सहित स्नातक
(Under Graduate Honors With Research)

सेमेस्टर के अनुसार प्रश्नपत्रों के शीर्षक तथा निर्धारित क्रेडिट

वर्ष	कोर्स कोड	कोर्स का शीर्षक	क्रेडिट
चतुर्थ वर्ष सप्तम सेमे0	**A020701T**	वैदिक सूक्त एवं भाष्य	04
	A020702T	भाषा विज्ञान	04
	A020703T	न्याय एवं मीमांसा दर्शन	04
	A020704T	काव्य एवं काव्य शास्त्र	04
	A020705T	व्याकरण– I	04

वर्ष	कोर्स कोड	कोर्स का शीर्षक	क्रेडिट
चतुर्थ वर्ष अष्टम सेमे0	**A020801T**	संहिता एवं उपनिषद्	04
	A020802T	पालि प्राकृत एवं अपभ्रंश	04
	A020803T	सांख्य एवं वेदान्त दर्शन	04
	A020804T	काव्य एवं काव्य शास्त्र	04
	A020805T	व्याकरण– II	04
	A020806R	भारतीय ज्ञान परम्परा आधारित Research Project/Dissertation/Internship & Field Work Survey.	03

विषय–संस्कृत (स्नातक स्तर)

कार्यक्रम परिणाम
Programme Outcomes (POS)

POS-1 विद्यार्थियों को लेखन, वाचन एवं अध्ययन की दृष्टि से भाषागत दक्षता प्राप्त होगी।

POS-2 सहज एवं स्वाभाविक रूप से भाषागत प्रवीणता प्राप्त कर उनमें प्रभावशाली अभिव्यक्ति की क्षमता उत्पन्न होगी।

POS-3 आत्मविश्वास से युक्त एवं नेतृत्व क्षमता के धारक होंगे।

POS-4 नैतिक एवं चारित्रिक दृष्टि से मूल्यवान व्यक्तित्वधारी होकर भारतीयता के बोध के साथ वैश्विक नागरिक के रूप में भावी चुनौतियों का सामना करने में समर्थ होंगे।

कार्यक्रम विशिष्ट परिणाम
Programme Specific Outcomes (PSOS)

PSO-1 सर्वाधिक वैज्ञानिक भाषा के रूप में संस्कृत भाषा के प्राचीन महत्व एवं उसकी वर्तमान प्रासंगिकता को जानने–समझने योग्य होंगे।

PSO-2 संस्कृत साहित्य की विभिन्न विधाओं (गद्य, पद्य, नाटक, व्याकरण इत्यादि) से सुपरिचित होकर संस्कृत मर्मज्ञ बन सकेंगे ।

PSO-3 संस्कृत व्याकरण के विभिन्न अंगों के ज्ञान द्वारा भाषा के शुद्ध अध्ययन, लेखन एवं उच्चारण माध्यम से अभिव्यक्ति कौशल का विकास होगा।

PSO-4 आयुर्वेद, वास्तुशास्त्र, ज्योतिष, नित्यनैमित्तिक कर्मकाण्ड इत्यादि के माध्यम से जीविकोपार्जन के योग्य बनेंगे।

PSO-5 वैदिक एवं लौकिक संस्कृत साहित्य की समृद्धि एवं उसमें निहित नैतिकता व आध्यात्मिकता को अनुभूत कर भास्तीय संस्कृति के महत्व को वैश्विक स्तर तक पहुंचाने में समर्थ होंगे।

PSO-6 धर्म–दर्शन, आचार–व्यवहार, नीति शास्त्र एवं भारतीय संस्कृति के मूल तत्वों को जानकर उत्तम चरित्रवान मानव एवं कुशल नागरिक बनेंगे।

PSO-7 समसामयिक समस्याओं के समाधान के रूप में संस्कृत साहित्य में निबद्ध सर्वांगीणता के प्रति शोधपरक दृष्टि का विकास होगा।

Year First		Semester : 1
कोर्स कोड– **A020101T**	कोर्स–1 कोर्स शीर्षक– गद्य एवं पद्य	क्रेडिट–6

Course Outcomes : अधिगम उपलब्धि

- विद्यार्थी संस्कृत साहित्य का सामान्य परिचय प्राप्त कर काव्य के विभिन्न भेदों से परिचित हो सकेंगे।
- विद्यार्थी संस्कृत गद्य एवं पद्य साहित्य के अर्थाभिव्यक्ति एवं सुगीतात्मकता का सौन्दर्य बोध कर सकेंगे।
- विद्याार्थियों में गद्य साहित्य को समझने का सामर्थ्य एवं काव्य में प्रयुक्त रस, छन्द और अलंकारों को समझने की क्षमता विकसित होगी।
- विद्यार्थियों में गद्य निहित जीवनोपयोगी एवं नीतियों को समझने का सामर्थ्य विकसित होगा। साथ ही पद्य में निहित सूक्तियों एवं सुभाषित वाक्यों के माध्यम से उनका नैतिक एवं चारित्रिक उन्नयन होगा।
- संस्कृत गद्य एवं पद्य के अध्ययन से विद्यार्थियों के शब्दकोश में वृद्धि होगी और संस्कृत श्लोकों के शुद्ध एवं सस्वर उच्चारण के कौशल में निपुण होंगे।
- विद्यार्थी प्राचीन भारतीय ज्ञान–परम्परा से परिचित होंगे, उनमें राष्ट्रशक्ति की भावना होगी और वे राष्ट्र के जिम्मेदार एवं श्रेष्ठ नागरिक बन सकेंगे।

Unit/इकाई	Topics/पाठ्य विषय	क्रेडिट–6
I	संस्कृत साहित्य का सामान्य परिचय, प्रमुख आचार्य एवं कवि– महाकवि वाल्मीकि, महाकवि वेदव्यास, महाकवि कालिदास, महाकवि माघ, श्रीहर्ष एवं जयदेव।	
II	गद्य साहित्य का उद्भव एवं विकास, प्रमुख गद्य साहित्यकार– बाणभट्ट, दण्डी, सुबन्धु, अम्बिकादत्त व्यास	
III	किरातार्जुनीयम् प्रथम सर्ग–श्लोक संख्या–1 से 25 पर्यन्त, (व्याख्या एवं समीक्षात्मक प्रश्न)	
IV	नीतिशतकम् श्लोक संख्या–1 से 25 तक (व्याख्या एवं मूल्यपरक प्रश्न)	
V	शुकनासोपदेश (अनुवाद एवं व्याख्या)	
VI	शिवराजविजयम, प्रथम निश्वास (अनुवाद एवं व्याख्या)	

सतत मूल्यांकनः–

- पाठ्यक्रम में निर्धारित ग्रन्थों पर आधारित अधिन्यास (Assignment)

अथवा

- संस्कृत श्लोकों के शुद्ध उच्चारण की प्रायोगिक/मौखिक परीक्षा।

संस्तुत ग्रन्थ –

- किरातार्जुनीयम् (प्रथमसर्ग) डॉ० राजेन्द्र मिश्रा, अक्षय वट प्रकाशन, इलाहाबाद।
- किरातार्जुनीयम् (प्रथमसर्ग) डॉ0 जनार्दन शास्त्री, मोती लाल बनारसीदास पब्लिकेशन, दिल्ली।
- किरातार्जुनीयम, महाकाव्य अनु0 श्री राम प्रताप त्रिपाठी, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
- कुमारसंभवम् (प्रथमसर्ग), डॉ0 उमेश चन्द्र पाण्डेय, प्राच्य भारतीय प्रकाशन, गोरखपुर।
- कुमार संभवम् (प्रथमसर्ग), श्री कृष्ण मणि त्रिपाठी, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी।
- नीतिशतकम् भर्तृहरि (व्या0), सावित्री गुप्ता, विद्या–निधि प्रकाशन, दिल्ली, 2008।
- नीतिशतकम् भर्तृहरि (व्या0), राकेश शास्त्री, परिमल पब्लिकेशन, दिल्ली, 2003।
- नीतिशतकम्, समीर आचार्य, प्राच्य भारती, प्रकाशन, गोरखपुर।
- संस्कृत साहित्य का इतिहास, डॉ0 बलदेव उपाध्याय, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी।
- संस्कृत साहित्य का इतिहास, उमाशंकर शर्मा "ऋषि", चौखम्बा भारती अकादमी, वाराणसी, पुनर्मुद्रित 2012।
- संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास, डॉ0 कपिल देव द्विवेदी, प्रकाशक, राम नारायण लाल, विजय कुमार, कटरा रोड, इलाहाबाद।
- संस्कृत साहित्य का इतिहास, प्रो0 आशा गुप्ता, आरती पब्लिशिंग हाउस एण्ड डिस्ट्रीब्यूटर्स दिल्ली।
- संस्कृत वाङ्मय का इतिहास, डॉ0 श्री नारायन तिवारी, संग्रह टाइम पब्लिकेशन, दिल्ली।
- संस्कृत साहित्य का इतिहास, वाचस्पति गैरोला, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी, पंचम संस्करण, 1997।
- शुकनासोपदेश, बाणभट्ट, (सम्पादक), चन्द्रशेखर द्विवेदी, महालक्ष्मी प्रकाशन, आगरा, प्रथम संस्करण, 1986–1987।
- शुकनासोपदेश, रामनाथ शर्मा सुमन, साहित्य भण्डार, मेरठ।
- शुकनासोपदेश, महेश कुमार श्रीवास्तव, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
- शुकनासोपदेश (कादम्बरी), उमेश चन्द्र पाण्डेय, प्राच्य भारतीय संस्थान, गोरखपुर।
- शिवराजविजयम्, अम्बिकादत्तव्यास, सम्पादक शिवकरण शास्त्री, महालक्ष्मी प्रकाशन, आगरा.।
- शिवराजविजयम्, डॉ0 रमाशंकर मिश्र, चौखम्बा प्रकाशन वाराणसी।
- शिवराजविजयम्, डॉ0 महेश कुमार श्रीवास्तव, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
- शिवराजविजयम्, डॉ0 देवनारायण मिश्र, साहित्य भण्डार, मेरठ।
- किरातार्जुनीयम्, डॉ0 उदल कुमार, कोशल पब्लिकेशन, अयोध्या।
- नीतिशतकम्, डॉ0 उदल कुमार, कोशल पब्लिकेशन, अयोध्या।
- शुकनासोपदेश, डॉ0 उदल कुमार, कोशल पब्लिकेशन, अयोध्या।

Year First		Semester : II
कोर्स कोड– A020202T	कोर्स–2– संस्कृत व्याकरण–I	क्रेडिट–06

Course Outcomes : अधिगम उपलब्धि–

CO-1 संगणक के लिए सबसे उपयुक्त भाषा होने के कारण संगणक अभियान्त्रिकी के लिए निपुण होंगे।

CO-2 संस्कृत व्याकरण का सामान्य ज्ञान प्राप्त कर उसकी वैज्ञानिकता से सुपरिचित हो सकेंगे।

CO-3 सस्कृत वर्णों के शुद्ध उच्चारण कौशल का विकास होगा।

CO-4 स्वर एवं व्यंजन के मूल भेद को समझ कर पृथक अर्थावगमन की क्षमता उत्पन्न होगी।

CO-5 स्वर, व्यंजन एवं विसर्ग संधि का विशिष्ट ज्ञान एवं उनके अनुप्रयोग का कौशल विकसित होगा।

Unit/इकाई	Topics/पाठ्य विषय
I	संस्कृत व्याकरण शास्त्र का सामान्य परिचय एवं मुनित्रय।
II	संज्ञा प्रकरण (लघुसिद्धान्तकौमुदी के अनुसार)।
III	स्वर/अच सन्धि, सूत्र व्याख्या एवं सूत्र निर्देश पूर्वक सन्धि और सन्धि विग्रह (लघुसिद्धान्तकौमुदी के अनुसार)।
IV	व्यंजन/हल सन्धि (मोऽनुस्वारः सूत्र पर्यन्त) (लघुसिद्धान्तकौमुदी के अनुसार)।
V	विसर्ग सन्धि सूत्र व्याख्या एवं सूत्र निर्देशपूर्वक सन्धि एवं सन्धि विग्रह (लघुसिद्धान्तकौमुदी के अनुसार)।
VI	शब्दरूप– राम, सर्व, हरि, सखि, भानु पितृ, रमा, मति वधू, गो, ज्ञान, वारि, स्त्री, आदि का कंठस्थीकरण।

सतत मूल्यांकन –लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ/लघुत्तरीय)

अथवा

माहेश्वर सूत्र एवं प्रत्याहार निर्माण–विषयक परियोजना कार्य।

संस्तुत ग्रन्थः–

- लघुसिद्धान्तकौमुदी, वरदराज, भैमी व्याकरण, भीमसेन शास्त्री (1–6), भैमी प्रकाशन, दिल्ली 1993।
- लघुसिद्धान्तकौमुदी, डॉ0 गोविन्द प्रसाद शर्मा एवं आचार्य रघुनाथ शास्त्री, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन।
- लघुसिद्धान्तकौमुदी, डॉ0 उमेश चन्द्र पाण्डे, चौखम्बा प्रकाशन।
- लघुसिद्धान्तकौमुदी, (संज्ञा–संधि प्रकरण), डॉ0 वेद पाल, साहित्य भण्डार, मेरठ।।
- लघुसिद्धान्तकौमुदी, डॉ0 राम कृष्ण आचार्य, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा।

Year Second		Semester : III
कोर्स कोड A020301T	वेद एवं उपनिषद्	क्रेडिट–06

Course Outcomes: अधिगम उपलब्धि–

CO-1 वैदिक वाङ्मय एवं संस्कृति का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।

CO-2 वैदिक एवं औपनिषदिक संस्कृति के प्रति गौरव बोध होगा।

CO-3 वेदोक्त संदेशों एवं मूल्यों के माध्यम से आचरण का उदात्तीकरण होगा।

CO-4 उपनिषद् का सामान्य परिचय एवं निहित उपदेशों का अवबोध होगा।

CO-5 वेद एवं औपनिषदिक संस्कृति के प्रति गौरव बोध होगा।

CO-6 औपनिषदिक कर्म संयम भक्ति एवं त्याग मूलक संस्कृति से परिचित होंगे।

CO-7 वैदिक सूक्तों के माध्यम से विद्यार्थियों को तत्कालीन आध्यात्मिक, सामाजिक एवं राष्ट्रीय परिदृश्य का निदर्शन होगा।

Unit/इकाई	Topics/ पाठ्य विषय
I	वैदिक वाङ्मय का सामान्य परिचय (संहिता, ब्राह्मण, आरण्यक उपनिषद् एवं वेदाङ्ग)
II	ऋग्वेद संहिता, अग्नि सूक्त (1.1), विष्णुसूक्त– (1.154), पुरुष सूक्त–(10.90), हिरण्यगर्भसूक्त (10.121)
III	यजुर्वेद संहिता– शिवसंकल्पसूक्त (शुक्ल यजुर्वेद अध्याय–34 1 से 6 मन्त्र) अथर्ववेद संहिता पृथ्वीसूक्त (12.1) 1 से 12 मंत्र
IV	ईशावास्योपनिषद् (व्याख्या एवं समीक्षात्मक प्रश्न)
V	कठोपनिषद–प्रथम वल्ली
VI	कठोपनिषद्–द्वितीय एवं तृतीय वल्ली

सतत मूल्यांकन–

वैदिक मन्त्रों का शुद्ध एवं स्वर उच्चारण (भावार्थ सहित)
अथवा
अधिन्यास (Assignment) एवं मौखिकी।

संस्तुत ग्रन्थ–

- ईशावास्योपनिषद्, जे शिव प्रसाद द्विवेदी चौखम्बा, वाराणसी।
- ईशावास्योपनिषद, गीता प्रेस, गोरखपुर, 1994।
- ऋग्वेद संहिता, राम गोविन्द त्रिवेदी, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी।
- ऋक्सूक्त संग्रह, हरिदत्त शास्त्री, साहित्य भण्डार, मेरठ।
- ऋक्सूक्त सौरभ, डॉ0 आर0 के0 लौ, ज्ञान प्रकाशन, मेरठ।

- सूक्त संकलन, प्रोफेसर विश्वभर नाथ त्रिपाठी, चौखम्बा प्रकाशन।
- सूक्त संकलन, डॉ0 उमेश चन्द्र पाण्डे, प्राच्च भारती प्रकाशन, गोरखपुर।
- वेदामृतमंजूषिका, डा प्रयाग नारायण मिश्र, प्रकाशन केन्द्र लखनऊ।
- वैदिक साहित्य एवं संस्कृति, वाचस्पति गैरोला, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी।
- वैदिक साहित्य का इतिहास, डॉ0 करण सिंह, साहित्य भण्डार, मेरठ,।
- वैदिक साहित्य की रूपरेखा, प्रो0 राममूर्ति शर्मा, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी।
- वैदिक साहित्य एवं संस्कृति, आचार्य बलदेव उपाध्याय, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी।
- भारतीय दर्शन, प्रो0 आशा गुप्ता, आरती पब्लिशिंग हाउस एण्ड डिस्ट्रीब्यूटर्स, दिल्ली।

Year Second		Semester IV
कोर्स कोड A020402T	कोर्स–4 संस्कृत व्याकरण– ।।	क्रेडिट– 06

Course Outcomes: अधिगम उपलब्धि

CO-1 व्याकरणपरक शब्दों की सिद्धि प्रकिया से परिचित हो सकेंगे।

CO-2 व्याकरण शास्त्र के ज्ञान के माध्यम से शुद्ध वाक्य विन्यास कौशल का विकास होगा।

CO-3 संस्कृत भाषा के शुद्ध उच्चारण एवं लेखन कौशल का विकास होगा।

CO-4 लिंग का समुचित ज्ञान होगा, जिससे वाक्य विन्यास में निपुणता आयेगी।

Unit / इकाई	Topics / पाठ्य विषय
I	अजन्त प्रकरण (लघुसिद्धान्तकौमुदी) पुल्लिंग– राम, सर्व, हरि, सखि (सूत्र व्याख्या एवं शब्द रूप सिद्धि)।
II	अजन्त प्रकरण (लघुसिद्धान्तकौमुदी) स्त्रीलिंग– रमा, सर्वा, मति एवं नपुंसक लिंग में ज्ञान, वारि–सूत्र व्याख्या एवं शब्द रूप सिद्धि।
III	हलन्त प्रकरण (लधुसिद्धान्तकौमुदी) पुल्लिंग–इदम्, राजन, तद् अस्मद्, युष्मद् इन शब्दों की विभक्ति एवं वचनों का निर्देश करना)
IV	हलन्त प्रकरण (लघुसिद्धान्तकौमूदी) स्त्रीलिग– किम्, अप, इदम्, एवं नपुंसक लिंग– इदम्, अहन् सूत्र व्याख्या एव शब्द रूप सिद्धि।
V	समास परिचय– केवल समास, अव्ययीभाव एवं बहुब्रीहि समास।
VI	तत्पुरूष एवं द्वन्द्व समास।

<u>सतत मूल्यांकन</u> –

अधिन्यास एंव मौखिकी
अथवा
लिखित परीक्षा एव वस्तुनिष्ठ / लघुत्तरीय

<u>संस्तुत ग्रन्थ</u>–

- लघुसिद्धान्तकौमुदी, वरदाज, भैमीव्याख्या, भीमसेन शास्त्री (1–6), भैमी प्रकाशन, दिल्ली 1993
- लघुसिद्धान्तकौमुदी, गोविन्द प्रसाद शर्मा एवं आचार्य रघुनाथ शास्त्री, चौखम्बा, सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।
- लघुसिद्धान्तकौमुदी, डॉ0 उमेश चन्द्र पाण्डेय, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी।
- लघुसिद्धान्तकौमुदी, डॉ0 राम कृष्ण आचार्य, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा।
- लघुसिद्धान्तकौमुदी, सुबन्त प्रकरण, रूद्र पब्लिशर्स एण्ड डिस्ट्रीब्यूटर्स, नई दिल्ली।

Year Third		Semester V
कोर्स–कोड **A020501T**	कोर्स–6 काव्य एवं काव्य शास्त्र	क्रेडिट–05

Course Outcomes: अधिगम उपलब्धि

- विद्यार्थी काव्य शास्त्र के उद्‌भव एवं विकास से सुपरिचित होंगे।
- विद्यार्थी काव्य शास्त्रीय तत्वों को समझने में समर्थ होंगे।
- विद्यार्थी महाकाव्य से सुपरिचित होंगे एवं भेद–प्रभेद का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
- काव्य परिचय का कौशल प्राप्त होगा।

Unit / इकाई	**Topics / पाठ्य विषय**
I	संस्कृत काव्यशास्त्र, परम्परा तथा प्रमुख काव्य शास्त्रीय ग्रन्थ एवं आचार्य भामह, दण्डी, वामन, आन्दवर्धन मम्मट, कुन्तक, क्षेमेन्द्र, विश्वनाथ, जगन्नाथ
II	साहित्य दर्पण (प्रथम परिच्छेद)।
III	साहित्य दर्पण के अनुसार, काव्य लक्षण, काव्य भेद, महाकाव्य लक्षण रूपक का लक्षण उपरूपक का लक्षण रूपक भेद उपरूपक भेद।
IV	साहित्य दर्पण के आधार पर वस्तुभेद, नायक / नायिका भेद, अर्थप्रकृति, कार्यावस्थाएँ, सन्धियाँ।
V	शिशुपालवधम्, प्रथम सर्ग (1–30) तक।

सतत् मूल्यांकन –

अधिन्यास (Assignment) एवं मौखिकी
अथवा
लिखित परीक्षा एवं वस्तुनिष्ठ / लघुत्तरीय परीक्षा

संस्तुत ग्रन्थ–

- साहित्यदर्पण (विश्वनाथ कविराज), सत्यव्रत सिंह, चौखम्बा विद्या भवन, वाराणसी।
- साहित्यदर्पण, शालिग्राम शास्त्री, मोतीलाल बनारसीदास प्रकाशन, वाराणसी।
- शिशुपालवधम्, (माघ प्रणीत), डॉ0 शारदा चतुर्वेदी, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी।
- शिशुपालवधम्, आद्या प्रसाद मिश्र एवं चण्डिका प्रसाद शुक्ल, संस्कृत साहित्य भण्डार।
- साहित्यदर्पण, प्रथम परिच्छेद, डॉ0 उदल कुमार, रूद्र पब्लिशर्स एण्ड डिस्ट्रीब्यूटर्स, नई दिल्ली।

Year Third		Semester V
कोर्स–कोड **A020502T**	कोर्स–7 भारतीय दर्शन	क्रेडिट–05

Course Outcomes: अधिगम उपलब्धि

CO-1 भारतीय दार्शनिक तत्वों का सामान्य ज्ञान प्राप्त होगा।
CO -2 दार्शनिक तत्वों में अनुस्यूत गूढ़ार्थ बोध होगा।
CO -3 दार्शनिक तत्वों के प्रति विश्लेषणात्मक एवं तार्किक क्षमता का विकास होगा।
CO -4 दर्शन में विद्यमान नैतिक एवं कल्याणपरक तथ्यों से आत्मोत्कर्ष की अभिप्रेरणा प्राप्त होगी।
CO-5 भारतीय दर्शन में निहित उद्देश्यों एवं ज्ञान को आचरण में समाहित करने हेतु अभिप्रेरित होंगे।
CO -6 गीता ज्ञान रहस्य द्वारा सृष्टि कल्याणार्थ भाव विकसित होंगे।

Unit / इकाई	**Topics / पाठ्य विषय**
I	भारतीय दर्शन का सामान्य परिचय, दर्शन का अर्थ एवं महत्व
II	श्रीमद्भगवद्गीता–द्वितीय अध्याय
III	श्रीमद्भगवद्गीता–तृतीय अध्याय
IV	तर्कसंग्रह (आरम्भ से प्रत्यक्ष खण्ड पर्यन्त)
V	तर्कसंग्रह (अनुमान से समाप्ति पर्यन्त)

सतत् मूल्यांकन –

लघु शोध परियोजना (विभाग द्वारा प्रदत्त)
अथवा
लिखित परीक्षा एवं वस्तुनिष्ठ / लघुत्तरीय परीक्षा

संस्तुत ग्रन्थ –

- श्रीमद्भगवद्गीता, (सम्पा0), गजानन शंभू साधले शास्त्री, परिमल पब्लिकेशन, दिल्ली, 1985
- श्रीमदभगवद्गीता, हरिकृष्णदास गोयन्का, गीता प्रेस गोरखपुर, 2008
- तर्कसंग्रह, अन्नम्भट्ट, (व्या0), चन्द्रशेखर द्विवेदी, महालक्ष्मी प्रकाशन, आगरा।
- तर्कसंग्रह, अन्नम्भट्ट, (व्या0), केदारनाथ त्रिपाठी, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी।
- भारतीयदर्शन की भूमिका, रामानन्द तिवारी, भारतीय मंदिर, भरतपुर, 1958
- भारतीयदर्शन, जगदीश चन्द्र मिश्र, चौखम्बा, सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी, 2010
- भारतीयदर्शन, आलोचन और अनुशीलन, चन्द्रधर शर्मा, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली, 2004
- भारतीयदर्शन का इतिहास, एस0एन0 गुप्ता (अनु0) कलानाथ शास्त्री एवं सुधीर कुमार (पांच भागों में) राजस्थान हिंन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर, 1969–1989.
- भारतीयदर्शन, एस0 राधाकृष्णन (अनु0), नन्दकिशोर गोभिल, राजपाल एण्ड संस, दिल्ली, 1989
- भारतीय दर्शन की रूपरेखा, एम0 हिरियन्ना, (अनु0) गोवर्धन भट्ट, मंजू गुप्त एवं सुखबीर चौधरी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली 1965
- भारतीय दर्शन, प्रो0 आशा गुप्ता, आरती पब्लिशर्स एण्ड डिस्ट्रीब्यूटर्स, दिल्ली।
- भारतीय दर्शन, डॉ0 उदल कुमार, रूद्र पब्लिशर्स एण्ड डिस्ट्रीब्यूटर्स, दिल्ली।

Year Third		Semester V
कोर्स–कोड **A020503R**	कोर्स–5 Research Project/Dissertation /Internship/Field Work Survey	क्रेडिट–03

Year Third		Semester VI
कोर्स–कोड **A020601T**	कोर्स–8 नाटक अलंकार एवं छन्द	केडिट–05

Course Outcomes: अधिगम उपलब्धि

CO-1 संस्कृत नाट्य साहित्य को सामान्य रूप से समझने में समर्थ होंगे।
CO-2 नाटक की पारिभाषिक शब्दावली से सुपरिचित होंगे।
CO-3 नाटक में प्रयुक्त रस, छन्द एवं अलंकारों का सम्यक बोध कर सकेंगे।
CO-4 संवाद एवं अभिनय कौशल में पारंगत होंगे।
CO-5 नवीन पदों के ज्ञान द्वारा उनके शब्दकोश में वृद्धि होगी।
CO-6 भारतीय सांस्कृतिक तत्वों एवं मूल्यों को आत्मसात कर भारतीयता के गर्वबोध से युक्त श्रेष्ठ नागरिक बन सकेंगे।
CO-7 छन्द रचना का कौशल विकसित होगा एवं अलंकारों की सूक्ष्मता का बोध होगा।

Unit / इकाई	**Topics / पाठ्य विषय**
I	नाट्य साहित्य परम्परा तथा प्रमुख नाटककार– अश्वघोष, भवभूति, भट्टनारायण, विशाखदत्त।
II	अभिज्ञानशाकुन्तलम् (1 से 2 अंक)
III	अभिज्ञानशाकुन्तलम् (3 से 4 अंक)
IV	स्वप्नवासवदत्तम् (प्रथम अंक) एवं नाट्य शास्त्रीय पारिभाषिक टिप्पणियाँ नान्दी, आमुख, सूत्रधार, प्रवेशक, विषकम्भक, जनान्तिक, अपवारित, आकाशभाषित, स्वगत, प्रकाश, विदूषक, भरतवाक्य।
V	छन्द (छन्दोमञ्जरी से अधोलिखित छन्द)– अनुष्टुप, वंशस्थ द्रुतविलम्बित, भुजङ्गप्रयात, वसन्ततिलका, इन्द्रवज्रा, उपेन्द्रवज्रा, मालिनी, शिखरिणी, शार्दूलविक्रीडित, स्रग्धरा। अलंकार (साहित्य दर्पण से अधोलिखित अलङ्कार) अनुप्रास, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, संदेह, भ्रान्तिमान, विभावना, विशेषोक्ति, अर्थान्तरन्यास।

सतत् मूल्यांकन –

पाठ्यक्रम में निधारित नाटकों पर आधारित संवाद एवं अभिनय कौशल परीक्षा।
अथवा
पाठ्यक्रम में निर्धारित ग्रन्थों पर आधारित अधिन्यास (Assignment) एवं मौखिकी।

संस्तुत ग्रंथ –

- अभिज्ञानशाकुन्तलम्, डॉ0 कपिल देव द्विवेदी, रामनारायण लाल विजय कुमार प्रकाशन, इलाहाबाद।
- अभिज्ञानशाकुन्तलम्, डॉ0 उमेश चंद्र पाण्डे, प्राच्य भारती संस्थान, गोरखपुर।
- अभिज्ञानशाकुन्तलम्, डॉ0 रमाशंकर त्रिपाठी, विश्वविद्यालय प्रकाशन।
- अभिज्ञानशाकुन्तलम्, डॉ0 निरूपण विद्यालंकार, साहित्य भण्डार, मेरठ।
- स्वप्नवासवदत्तम्, श्री तरणीश झा, रामनारायण लाल बेनी माधव प्रकाशक, इलाहाबाद।

- स्वप्नवासवदत्तम्, जय कृष्ण दास हरिदास गुप्त, चौखम्बा संस्कृत सीरीज, वाराणसी।
- संस्कृत नाटक उद्भव और विकास, डॉ0 ए0 वी0 कीथ, अनुवादक उदयभान सिंह।
- नाट्य साहित्य का इतिहास और नाट्य सिद्धान्त, जय कुमार जैन, साहित्य भण्डार, मेरठ, 2012
- संस्कृत के प्रमुख नाटककार और उनकी कृतियाँ, डॉ0 गंगासागर राय।
- संस्कृत साहित्य का इतिहास, उमाशंकर शर्मा "ऋषि", चौखम्बा भारती अकादमी, वाराणसी, पुनर्मुद्रित 2012
- संस्कृत साहित्य का इतिहास, वाचस्पति गैरोला, चौखम्बा विद्याभवन वाराणसी, पंचम संस्करण।
- स्वप्नवासवदत्तम्, डॉ0 उदल कुमार, रूद्र पब्लिशर्स एण्ड डिस्ट्रीब्यूटर्स, नई दिल्ली।

Year Third		Semester VI
कोर्स कोड **A020602T**	कोर्स–9 आधुनिक संस्कृत साहित्य	क्रेडिट–05

Course Outcomes: अधिगम उपलब्धि–

CO-1 आधुनिक संस्कृत साहित्य से सुपरिचित होंगे।

CO -2 आधुनिक संस्कृत कवियों का ज्ञान प्राप्त करेंगे।

CO -3 नवीन विम्ब विधानों एवं नवीन विषयों का ज्ञान प्राप्त होगा।

CO -4 आधुनिक संस्कृत साहित्य के बाल साहित्य से परिचित होते हुए संस्कृत शिक्षण की सरलतम विधि की ओर उन्मुख होंगे।

CO -5 आधुनिक संस्कृत साहित्य की विभिन्न विधाओं से परिचित होंगे।

CO -6 आधुनिक संस्कृत साहित्य में विद्यमान नैतिक एवं कल्याण परक तथ्यों से आत्मोत्कर्ष की अभिप्रेरणा प्राप्त होगी।

CO -7 आधुनिक संस्कृत साहित्य में निहित उद्देश्यों एवं ज्ञान को आचरण में समाहित करने हेतु अभिप्रेरित होंगे।

CO -8 संस्कृत साहित्य में आधुनिक काल एवं विषयगत आधुनिकता से सुपरिचित होंगे।

Unit / इकाई	Topics / पाठ्य विषय
I	आधुनिक संस्कृत साहित्य का सामान्य परिचय।
II	आधुनिक काव्य– जानकी जीवनम् (प्रथम सर्ग – श्लोक–1 से 25) प्रो० अभिराज राजेन्द्र मिश्र, श्रम–माहात्म्यम् (षोड्शी)– श्रीधर भास्कर वर्णेकर।
III	आधुनिक नाटक – क्षत्रपति साम्राज्यम् (प्रथम अङ्क) श्री मूलशंकर मणिक लाल (याज्ञिक), संस्कृत उपन्यास–पद्मिनी (प्रथम एवं द्वितीय विकास) मोहन लालशर्मा पाण्डेय
IV	आधुनिक संस्कृत गीतिकाव्य– तदैव गगनं सैव धरा–आचार्य श्री निवास "रथ" (श्लोक 1 से 25 श्लोक पर्यन्त) संस्कृत कथामुक्तावली–(क्षणिक विभ्रमः) पण्डिता क्षमाराव
V	संस्कृत सुभाषित–दीपमालिका, पं0 वासुदेव द्विवेदी शास्त्री

सतत मूल्यांकन –

वस्तुनिष्ठ परीक्षा एवं मौखिकी।

अथवा

आधुनिक संस्कृत साहित्य का सर्वेक्षण एवं मौखिकी।

संस्तुत ग्रन्थ–

- जानकीजीवनम्, महाकवि अभिराज राजेन्द्र मिश्र, वैजयन्त प्रकाशन, 8 बाघम्बरी मार्ग, प्रयागराज।
- आधुनिक संस्कृत गीतिकाव्यों में हास्य–व्यंग्य, प्रो0 मंशाराम वर्मा, संग्रह टाइम्स पब्लिकेशन, नई दिल्ली।
- कथामुक्तावली (पण्डिता क्षमाराव), P- J- Pandya for N-M- Tripathi Ltd Princess Street Bombay -2

- षोडशी, श्रीधर भाष्कर वर्णेकर, सम्पादक एवं संकलनकर्ता– प्रो0 राधावल्लभ त्रिपाठी, साहित्य अकादमी नई दिल्ली।
- क्षत्रपति साम्राज्यम्, श्रीमूलशंकरमणिकलाल "याज्ञिक", व्याख्याकार–डॉ0 नरेश झा, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन वाराणसी।
- तदैव गगनं सैव धरा, आचार्य श्री निवास "रथ", नाग पब्लिशर्स 1995।
- दीपमालिका, वासुदेव द्विवेदी शास्त्री, सार्वभौम संस्कृत प्रचार संस्थान, वाराणसी।
- पद्मिनी, मोहन लाल शर्मा पाण्डे, पाण्डे प्रकाशन, जयपुर।
- संस्कृत वाड्.मय का वृहद इतिहास सप्तम खंड– आधुनिक संस्कृत साहित्य का इतिहास, श्री बलदेव उपाध्याय, उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान प्रथम संस्करण 2000।
- आधुनिक संस्कृत साहित्य संदर्भ सूची, (सम्पादक), राधावल्लभ त्रिपाठी, राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली।
- आधुनिक संस्कृत काव्य की परिक्रमा, मंजू लता शर्मा, राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली।
- http://www.SAN-skrit.nic.in/ASSP/index.html

Year Third		Semester VI
कोर्स–कोड **A020603R**	कोर्स–6 Research Project/Dissertation /Internship/Field Work Survey	क्रेडिट–03

मानद / सम्मानित / विशिष्टता / शोध सहित स्नातक

(Under Graduate Honors With Research)

Year Fourth		Semester : 7
कोर्स– A020701T	कोर्स–1 **कोर्स शीर्षक–** वैदिक सूक्त एवं भाष्य	
Course Outcomes : अधिगम उपलब्धि • छात्र ऋग्वेद एवं अथर्ववेद के सूक्तों से परिचित हो सकेंगे। • वैदिक मंत्रों के माध्यम से प्राकृतिक देवताओं के महत्व को समझ सकेंगे। • प्राचीन वैदिक स्वर के मूल सिद्धान्तों से अवगत हो सकेंगे। • वैदिक स्वर और वैदिक व्याकरण के ज्ञान से वैदिक मंत्रों को सस्वर उच्चारित कर सकेंगे।		
Unit/इकाई	**Topics/पाठ्य विषय**	**क्रेडिट–04**
I	ऋग्वेद से वरूणसूक्त (1.25), सवितृसूक्त (1.35)	
II	ऋग्वेद से उषस्सूक्त (3.61) तथा पर्जन्यसूक्त (5.83)	
III	ऋग्वेद से सरमा–पणि संवाद (10.108), पुरुरवा–उर्वशी संवाद (10.95), अथर्ववेद से राष्ट्राभिवर्धन (1.29)	
IV	ऋग्वेदभाष्यभूमिका–वेदापौरूषेयत्वसिद्धि तक	
V	ऋग्वेदभाष्यभूमिका–वेदापौरूषेयत्वसिद्धि के बाद से अन्त तक	
	आन्तरिक परीक्षा– 25 अंक	

संस्तुत ग्रन्थ –

- ऋक्सूक्तसंग्रह, डॉ0 हरिदत्त शास्त्री।
- ऋग्वेद संहिता, पं0 दामोदरपद सातवलेकर।
- वेदामृतमंजूषिका, डॉ0 प्रयागनरायन मिश्र।
- वैदिक साहित्य एवं संस्कृति, प्रो0 बलदेव उपाध्याय।
- वैदिक साहित्य एवं संस्कृति का वृहद् इतिहास, प्रो0 ओम प्रकाश पाण्डेय।
- संस्कृत साहित्य का इतिहास, प्रो0 आशा गुप्ता।
- संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास, डॉ0 कपिल देव द्विवेदी।
- संस्कृत साहित्य का इतिहास, डॉ0 श्री नारायन तिवारी।

Year Fourth	Semester : 7
कोर्स– **A020702T**	कोर्स–2 **कोर्स शीर्षक–** भाषा विज्ञान

Course Outcomes : अधिगम उपलब्धि

- छात्रों को भाषा की उत्पत्ति वर्गीकरण तथा इसके घटक तत्वों का ज्ञान प्राप्त होगा।
- व्याकरण के महत्वपूर्ण प्रत्ययों का सम्यक ज्ञान प्राप्त कर संस्कृत भाषा की विशिष्टता को समझ सकेंगे।
- भाषा के विकासक्रम को समझ सकेंगे।
- भाषा के विभिन्न परिवारों का ज्ञान होगा।

Unit/इकाई	Topics/पाठ्य विषय	क्रेडिट–4
I	भाषा शास्त्र–संघटनात्मक भाषा ज्ञान की परिभाषा, भाषा, विभाषा बोली आदि में अन्तर, भाषिक परिवर्तन, उसके कारण तथा दिशाएँ	
II	भाषाओं का वर्गीकरण–भारोपीय भाषा परिवार, सतम् एवं केन्तुम वर्ग, इण्डो ईरानियन परिवार।	
III	इण्डो आर्यन परिवार, भारतीय भाषाओं का विकास, ध्वनि परिवर्तन की दिशाएँ, समीकरण, विषमीकरण।	
IV	भाषा के घटक– स्वनिम (फोनिम), रूपिम (मारफीम), पदिम (टैक्सीम), अर्थिम (सेमेन्टिम), मानस्वर (कार्डियल बावेल), वाग्यन्त्र।	
V	ध्वनिनियम–ग्रिम, वर्नर, ग्रासमान, अर्थपरिवर्तन की दिशाएँ एवं कारण।	
	आन्तरिक परीक्षा–25 अंक।	

संस्तुत ग्रन्थ –

- भाषाविज्ञान, भोलानाथ तिवारी।
- भाषाविज्ञान एवं भाषा शास्त्र, डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी।
- भाषाविज्ञान, भोलाशंकर व्यास एवं कर्ण सिंह।
- संस्कृत भाषा का शास्त्रीय अध्ययन, भोलाशंकर व्यास।
- संस्कृत साहित्य का इतिहास, प्रो0 आशा गुप्ता।
- संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास, डॉ0 कपिल देव द्विवेदी।
- संस्कृत साहित्य का इतिहास, डॉ0 श्री नारायन तिवारी।

Year Fourth		Semester : 7
कोर्स– **A020703T**	कोर्स–3 **कोर्स शीर्षक–** न्याय एवं मीमांसा दर्शन	

Course Outcomes : अधिगम उपलब्धि

- छात्रों को भारतीय दर्शन का ज्ञान प्राप्त होगा।
- भारतीय दर्शन की मौलिक अवधारणा का समालोचनात्मक विश्लेषण और परीक्षण करने में समर्थ होंगे।
- जीवन की कठिनाईयों को यर्थाथ रूप में समझने की योग्ता प्राप्त करें।

Unit/इकाई	Topics/पाठ्य विषय	क्रेडिट–4
I	तर्कभाषा, प्रारम्भ से प्रत्यक्ष प्रमाण तक।	
II	तर्कभाषा, अनुमान से उपमान प्रमाण तक।	
III	तर्कभाषा, शब्द से प्रामाण्यवाद तक।	
IV	अर्थसंग्रह, प्रारम्भ से भावना तक।	
V	अर्थसंग्रह, वेदलक्षण से क्रम निर्धारण तक।	
	आन्तरिक परीक्षा–25 अंक।	

संस्तुत ग्रन्थ –

- अर्थसंग्रह, डॉ0 कामेश्वर नाथ मिश्र।
- अर्थसंग्रह, डॉ0 दयाशंकर शास्त्री।
- अर्थसंग्रह, त्यागमूर्ति श्री टाटम्बरिस्वामी।
- तर्कभाषा, डॉ0 राकेश शास्त्री।
- तर्कभाषा, डॉ0 बदरीनाथ शुक्ल।
- तर्कभाषा, पं0 श्री रूद्रधर झा।
- तर्कभाषा, श्री सुरेन्द्र नाथ द्विवेदी।

Year Fourth		Semester : 7
कोर्स– **A020704T**	कोर्स–4 **कोर्स शीर्षक–** काव्य एवं काव्य शास्त्र	
Course Outcomes : अधिगम उपलब्धि ● छात्र काव्यशास्त्र को समझ सकेंगे। ● छात्र शब्द शक्तियों से परिचित हो सकेंगे। ● छात्रों में काव्य के भेदों का ज्ञान होगा।		
Unit/इकाई	**Topics/पाठ्य विषय**	**क्रेडिट–4**
I	काव्यप्रकाश–प्रथम उल्लास।	
II	काव्यप्रकाश, द्वितीय उल्लास में प्रारम्भ से सूत्र 11 तक।	
III	काव्यप्रकाश, द्वितीय उल्लास में लक्षणानिरूपण से अन्त तक।	
IV	नैषधीयचरितम् प्रथम सर्ग–श्लोक 1 से 65 तक।	
V	नैषधीयचरितम् प्रथम सर्ग–श्लोक 66 से अन्त तक।	
	आन्तरिक परीक्षा–25 अंक	

संस्तुत ग्रन्थ –

- मम्मटाचार्यकृत–काव्यप्रकाश, आचार्य विश्वेश्वर।
- मम्मटाचार्यकृत–काव्यप्रकाश, डॉ0 पारसनाथ द्विवेदी।
- मम्मटाचार्यकृत–काव्यप्रकाश, श्रीनिवास शास्त्री।
- मम्मटाचार्यकृत–काव्यप्रकाश, श्रीनिवास शर्मा।
- नैषधीयचरितम्, डॉ0 श्यामलेश कुमार तिवारी।
- नैषधीयचरितम्, नारायण रामआचार्य काव्यतीर्थ।
- नैषधीयचरितम्, डॉ0 केशवराम मुसलगाँवकर।

Year Fourth		Semester : 7
कोर्स– **A020705T**	कोर्स–5 **कोर्स शीर्षक–** व्याकरण–।	
Course Outcomes : अधिगम उपलब्धि • छात्र व्याकरण के महत्वपूर्ण प्रत्ययों का सम्यक ज्ञान प्राप्त कर उनका प्रयोग और संस्कृत भाषा की विशिष्टता को समझ सकेंगे। • शब्द एवं धातु रूप साधुत्व प्रक्रिया का ज्ञान होगा। • शब्द के व्यवहारिक प्रयोग का ज्ञान होगा।		
Unit/इकाई	**Topics/पाठ्य विषय– लघुसिद्धान्तकौमुदी**	**क्रेडिट–4**
I	तिङन्त–भू धातु की रूपसिद्धि।	
II	एध् धातु की रूपसिद्धि।	
III	शेषगणों की प्रथम–प्रथम धातु की रूपसिद्धि।	
IV	कृदन्त में पूर्वकृदन्त की रूपसिद्धि।	
V	कृदन्त में उत्तरकृदन्त की रूपसिद्धि।	
	आन्तरिक परीक्षा–25 अंक	

संस्तुत ग्रन्थ –

- लघुसिद्धान्तकौमुदी, भैमीव्याख्या, डॉ0 भीमसेन शास्त्री।
- लघुसिद्धान्तकौमुदी, डॉ0 महेश सिंह कुशवाहा।
- लघुसिद्धान्तकौमुदी, डॉ0 धरानन्द शास्त्री।
- लघुसिद्धान्तकौमुदी, डॉ0 लाल बहादुर कुशवाहा।

Year Fourth	Semester : 8
कोर्स– **A020801T**	कोर्स–1 **कोर्स शीर्षक–** संहिता एवं उपनिषद्

Course Outcomes : अधिगम उपलब्धि

- वैदिक मंत्रों के माध्यम से प्राकृतिक देवताओं के महत्त्व समझ सकेंगे।
- प्राचीन वैदिक स्वर के मूल सिद्धांतों को जान सकेंगे।
- वैदिक स्वर और वैदिक व्याकरण के ज्ञान से वैदिक मंत्रों को उनके सत्य रूप में पाठ करने का प्रयास करेंगे।
- तैत्तिरीयोपनिषद् की शिक्षावल्ली में वर्णित शिक्षा, अभ्युदय संहिताविषयक उपासना विधि और पाँच महासंहिताओं– लोकविषयक संहिता, ज्योतिविषयक संहिता, संतानविषयक संहिता, विद्याविषयक संहिता और अध्यात्मविषयक संहिता का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।

Unit/इकाई	Topics/पाठ्य विषय– लघुसिद्धान्तकौमुदी	क्रेडिट–4
I	ऋग्वेद से इन्द्रसूक्त (1.32), अग्नि (1.143) तथा रूद्रसूक्त (2.33)	
II	ऋग्वेद से अश्विनौ (7.71), कितव (10.34) तथा नासदीय (10.129)	
III	अथर्ववेद से राजा का चुनाव (3.4), वरूण (4.16) तथा काल (19.53)	
IV	तैत्तिरीयोपनिषद्–शिक्षावल्ली	
V	वैदिक व्याकरण–वैदिक शब्दरूपों की विशेषताएँ तुमर्थक प्रत्यय, लेट् एवं लुङ्लकार।	
	आन्तरिक परीक्षा–25 अंक।	

संस्तुत ग्रन्थ –

- ऋक्सूक्तसंग्रह, डॉ0 हरिदत्त शास्त्री।
- ऋग्वेद संहिता, पं0 दामोदरपद सातवलेकर।
- वेदामृतमंजूषिका, डॉ0 प्रयागनरायन मिश्र।
- वैदिक व्याकरण, डॉ0 रामगोपाल।
- वैदिक साहित्य और संस्कृति, प्रो0 बलदेव उपाध्याय।
- वैदिक साहित्य और संस्कृति का वृहद इतिहास, डॉ0 ओम प्रकाश पाण्डेय।

Year Fourth	Semester : 8
कोर्स– **A020802T**	**कोर्स–2** **कोर्स शीर्षक–** पालि प्राकृत एवं अपभ्रंश

Course Outcomes : अधिगम उपलब्धि

- छात्रों का प्राचीन भारोपीय परिवार की भाषाओं के साहित्य एवं दर्शन से परिचित होगा।
- छात्र पालि भाषा के अध्ययन के साथ–साथ बौद्ध सभ्यता और संस्कृति से परिचित होंगे।
- छात्रों को ऐतिहासिक अभिलेखों को समझने में सुविधा होगी।
- छात्र प्राचीन भारतीय इतिहास को समझ सकेंगे।

Unit/इकाई	Topics/पाठ्य विषय– पालिप्राकृत–अपभ्रंशसंग्रहः (डॉ0 राम अवध पाण्डेय)	क्रेडिट–4
I	पालि–मायादेविया सुपिनं, चत्तारि अरियसच्चानि तथा तथागतस्य पच्छिमावाचा।	
II	पालि–धम्मपदसंगहो, बाबेरूजातकम् तथा पटिच्चसमुप्पादो।	
III	प्राकृत–कर्पूरमञ्जीर (तृतीय अंक), स्वप्नवासवदत्तम (चतुर्थ अंक), वसुदत्तकथा।	
IV	अपभ्रंश–दोहाकोश, सन्देशरासक, अपभ्रंशमुक्तकसंग्रह।	
V	अशोक अभिलेख–(शिलालेख एवं स्तम्भलेख) तथा मौर्योत्तरकालीन अभिलेख।	
	आन्तरिक परीक्षा–25 अंक।	

संस्तुत ग्रन्थ –

- भाषा विज्ञान, डॉ0 भोलानाथ तिवारी।
- भाषा विज्ञान एवं भाषा शास्त्र, डॉ0 कपिल देव द्विवेदी।
- भाषा विज्ञान, डॉ0 भोलाशंकर व्यास एवं कर्ण सिंह।
- संस्कृत भाषा का शास्त्रीय अध्ययन, डॉ0 भोलाशंकर व्यास।
- प्राकृत भाषाओं का व्याकरण, एच0सी0 जोशी।
- पालिमहाव्याकरण, जे0 कश्यप।
- पालिप्राकृत–अपभ्रंशसंग्रह, डॉ0 राम अवध पाण्डेय।

Year Fourth	Semester : 8
कोर्स– **A020803T**	कोर्स–3 **कोर्स शीर्षक–** सांख्य एवं वेदान्त दर्शन

Course Outcomes : अधिगम उपलब्धि

- सांख्य और वेदान्त दर्शन की मौलिक अवधारणा का समालोचनात्मक विश्लेषण और परीक्षण करने में सक्षम होंगे।
- निर्धारित पाठ और उसमें निहित अवधारणात्मक शब्दों को समझने और समझाने में सक्षम होंगे।
- अभूतपूर्व दुनिया और विकास की प्रक्रिया के विश्लेषण में सांख्य और वेदान्त दार्शनिकों के वैज्ञानिक दृष्टिकोण को जानने के लिए निर्धारित सिद्धान्तों का समालोचनात्मक विश्लेषण करने में सक्षम होंगे।
- तार्किक अध्ययन में सांख्य और वेदान्त दार्शनिकों के योगदान को समझ सकेंगे, जो आज के जीवन में बहुत महत्वपूर्ण है।
- सत्य के उचित निर्णय में उनकी मदद करने वाली जीवन स्थितियाँ समझ सकेंगे।

Unit/इकाई	Topics/पाठ्य विषय	क्रेडिट–4
I	सांख्यकारिका–1 से 20 तक।	
II	सांख्यकारिका–21 से 45 तक।	
III	सांख्यकारिका–46 से अन्त तक।	
IV	वेदान्तसार–प्रारम्भ से पञ्चीकरण प्रक्रिया तक।	
V	वेदान्तसार–पञ्चीकरण प्रक्रिया के बाद से अन्त तक।	
	आन्तरिक परीक्षा–25 अंक।	

संस्तुत ग्रन्थ –

- सांख्यतत्वकौमुदी, व्याख्याकार–डॉ0 संतनरायणलाल श्रीवास्तव।
- सांख्यतत्वकौमुदी, व्याख्याकार–गजानन शास्त्री मुसलगाँवकर।
- सांख्यतत्वकौमुदी, व्याख्याकार–आद्याप्रसाद मिश्र।
- भारतीय दर्शन का इतिहास (पाँच भाग), एस0एन0 दास गुप्ता।
- भारतीय दर्शन, सी0डी0 शर्मा।
- भारतीय दर्शन, चटर्जी एवं दत्त।
- भारतीय दर्शन, प्रो0 आशा गुप्ता।
- Outline of Indian Philosophy, Hiriyanna

Year Fourth		Semester : 8
कोर्स– A020804T	कोर्स–4 **कोर्स शीर्षक–** काव्य एवं काव्यशास्त्र	

Course Outcomes : अधिगम उपलब्धि

- छात्र अलंकारों एवं चम्पूकाव्य से परिचित होंगे।
- छात्र काव्यशास्त्र को समझ सकेंगे।
- छात्र शब्द शक्तियों से परिचित हो सकेंगे।
- छात्रों में काव्य के भेदों का ज्ञान होगा।

Unit/इकाई	Topics/पाठ्य विषय	क्रेडिट–4
I	काव्यप्रकाश, नवम् उल्लास।	
II	काव्यप्रकाश, दशम् उल्लास से अग्रांकित अंलकार (लक्षण एवं उदाहरण)– उपमा, अनन्वय, उपमेयोपमा, उत्प्रेक्षा, रूपक, अपह्नुति, समासोक्ति, अप्रस्तुतप्रशंसा तथा अतिशयोक्ति।	
III	काव्यप्रकाश, दशम उल्लास से अग्रांकित अलङ्कार (लक्षण एवं उदाहरण)– प्रतिवस्तूपमा, दृष्टान्त, दीपक, तुल्योगिता, व्यतिरेक, विशेषोक्ति, विभावना, अर्थान्तरन्यास, स्वभावोक्ति तथा काव्यलिङ्ग।	
IV	काव्यप्रकाश, दशम उल्लास से अग्रांकित अलङ्कार (लक्षण एवं उदाहरण)– उदात्त, समुच्चय, अनुमान, परिकर, व्याजोक्ति, परिसंख्या, असंगति, तद्गुण, संसृष्टि और संङ्कर।	
V	नलचम्पू–प्रारम्भ से आर्यावर्तवर्णन पर्यन्त।	
	आन्तरिक परीक्षा–25 अंक।	

संस्तुत ग्रन्थ –

- मम्मटाचार्यकृत–काव्यप्रकाश, आचार्य विश्वेश्वर।
- मम्मटाचार्यकृत–काव्यप्रकाश, डॉ0 पारसनाथ द्विवेदी।
- मम्मटाचार्यकृत–काव्यप्रकाश, श्रीनिवास शास्त्री।
- मम्मटाचार्यकृत–काव्यप्रकाश, श्रीनिवास शर्मा।
- नलचम्पू, श्री धरानन्द शास्त्री।
- नलचम्पू, तारिणीश झा।

Year Fourth		Semester : 2
कोर्स– **A020805T**	कोर्स–5 **कोर्स शीर्षक–** व्याकरण–।।	

Course Outcomes : अधिगम उपलब्धि

- छात्र व्याकरण प्रक्रिया से परिचित होंगे।
- छात्रों में शब्द निर्माण का ज्ञान होने से सम्भाषण कला विकसित होगी।
- छात्रों को साधुत्व प्रक्रिया का ज्ञान होगा।
- छात्र वाच्यभेद को समझ सकेंगे।

Unit/इकाई	Topics/पाठ्य विषय– लघुसिद्धान्त कौमुदी	क्रेडिट–4
I	णिजन्त, सन्नन्त, यङन्त, यङलुक, नामधातु पुत्रीयति, कृष्णति, शब्दायते।	
II	आत्मनेपद, परस्मैपद, भावकर्म–भूयते, कर्मकर्तृ, लकारार्थ।	
III	तद्धित–अपत्यार्थ, रक्ताद्यर्थ, चातुरर्थिक।	
IV	शैषिक, भावकर्माद्यर्थ, भवनादि।	
V	मत्वर्थीय, प्राग्दिशीय, प्रागिवीय।	
	आन्तरिक परीक्षा–25 अंक।	

संस्तुत ग्रन्थ –

- संस्कृतव्याकरणप्रवेशिका, बाबूराम सक्सेना, चौखम्बा प्रकाशन।
- लघुसिद्धान्तकौमुदी, आचार्य वरदराज, भैमीव्याख्या, आचार्य भीमसेनशास्त्री, समस्तखण्ड।
- लघुसिद्धान्तकौमुदी, आचार्य वरदराज, डॉ0 महेश सिंह कुशवाहा।
- लघुसिद्धान्तकौमुदी, आचार्य वरदराज, डॉ0 धरानन्दशास्त्री।
- रचनानुवादकौमुदी, डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी, चौखम्बा प्रकाशन वाराणसी।
- सिद्धसन्तकौमुदी, डॉ0 रमाकान्त त्रिपाठी, विद्यार्थी प्रकाशन, बलिया।
- लघुसिद्धान्तकौमुदी, निर्णय सागर प्रेस, मुम्बई।
- लघुसिद्धान्तकौमुदी, गीताप्रेस, गोरखपुर।

Year Fourth	Semester : 8
कोर्स– **A020806R**	कोर्स–1 (Open Elective other PG Programme) **कोर्स शीर्षक–** भारतीय ज्ञान परम्परा

Course Outcomes : अधिगम उपलब्धि

- छात्र प्राचीन भारतीय ज्ञान परम्परा से अवगत होंगे।
- छात्र सामाजिक व्यवहार को समझने में समर्थ होंगे।
- छात्र रामायण एवं महाभारत कालीन संस्कृति से परिचय प्राप्त करेंगे।
- पुराणों का सम्यक ज्ञान अर्जित करेंगे।

Unit/इकाई	Topics/पाठ्य विषय– भारतीय ज्ञान परम्परा	क्रेडिट–3
I	अर्थशास्त्र (प्रथम विनयाधिकारिक) मूल्य एवं महत्व।	
II	मनुस्मृति (द्वितीय अध्याय) मूल्य एवं महत्व।	
III	याज्ञवल्क्यस्मृति (व्यवहाराध्याय) आदर्श एवं वैशिष्ट्य	
IV	रामायण एवं महाभारत–विषय वस्तु काल सामाजिक एवं साहित्यिक महत्व तथा प्रमुख आख्यान।	
V	पुराण–परिभाषा, महापुराण–उपपुराण, पौराणिक सृष्टि विज्ञान तथा महत्वपूर्ण व्याख्यान।	
	आन्तरिक परीक्षा–25 अंक।	

संस्तुत ग्रन्थ –

- कौटिलीय अर्थशास्त्रम्, डॉ0 श्यामलेश कुमार तिवारी।
- कौटिलीय अर्थशास्त्र, डॉ0 उदयवीर शास्त्री।
- कौटिल्य का अर्थशास्त्र, डॉ0 ओम प्रकाश प्रसाद।
- मनुस्मृति, डॉ0 सुरेन्द्र कुमार।
- मनुस्मृति, डॉ0 दानपति तिवारी।
- वेदों में भारतीय संस्कृति, डॉ0 आद्यादत्त ठाकुर।
- संस्कृत साहित्य का इतिहास, डॉ0 कपिल देव द्विवेदी।
- संस्कृत साहित्य का इतिहास, डॉ0 श्री नारायन तिवारी।
- संस्कृत साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास, डॉ0 ऊदल कुमार।

पाठ्यक्रम निर्माण समिति

BOS संयोजक / BOS सदस्य	पद	विभाग	हस्ताक्षर
प्रो0 मंशाराम वर्मा (संस्कृत विषय संयोजक)	प्रोफेसर	संस्कृत	
डॉ0 उदल कुमार (सदस्य)	एसोशिएट प्रोफेसर	संस्कृत	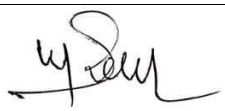
डॉ0 अखिलेश्वर प्रसाद शुक्ल (सदस्य)	असिस्टेंट प्रोफेसर	संस्कृत	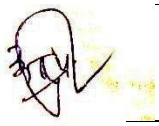
श्रीमती पूजा मिश्रा (सदस्य)	असिस्टेंट प्रोफेसर	संस्कृत	
श्रीमती ज्योति त्रिपाठी (सदस्य)	असिस्टेंट प्रोफेसर	संस्कृत	
प्रो0 आशा गुप्ता (सदस्य)	प्रोफेसर	संस्कृत	
डॉ0 देवेन्द्र पाल (सदस्य)	असिस्टेंट प्रोफेसर	संस्कृत	
प्रो0 अभिषेक दत्त त्रिपाठी (सदस्य)	प्रोफेसर	संस्कृत	–